दम दम बहर क़दम दम हमा दम दम मदार मा,,मा तालिबाना मुर्शिदे कामिल मदार मा।।

शिजराए आ़लीया आ़शिक़ाने मदारीया.

{ निस्बते सोख़्ता शाहीया }.

बिस्मिल्लाह हिर्रहमान निर्रहीम

इलाही बहुरमते राज़ो नियाज़ ख़िरक़ाओ ख़िलाफ़त हज़रत फ़ैज़े गनजूर इमामुल मुरसलीन हज़रत मुहम्मदुर रसूलुल्लाह स्वल्ल्लाहू अ़लैहि वसल्लम

इलाही बहुरमत इमामुल औलिया मौला अ़ली कर्रमुल्लाहु वज्ह

इलाही बहुरमत हज़रत ख़्वाजा हसन बसरी रज़िअल्लाहू तआ़ला अ़न्ह

इलाही बहुरमत हज़रत ख़्वाजा हबीब अ़जमी रज़िअल्लाहू तआ़ला अ़न्ह

इलाही बहुरमत हज़रत ख़्वाजा सुल्तानुल आ़रेफ़ीन बायज़ीद बुस्तामी रज़िअल्लाहू तआ़ला अ़न्ह

इलाही बहुरमत हज़रत सैय्यद बदीयुद्दीन अजल ज़िंदाने सौफ़ क़ुत्बुल अक़ताब क़ुत्बुल मदार मदारुल आ़लमीन रज़िअल्लाहू तआ़ला अ़न्ह

इलाही बहुरमत हज़रत ख़्वाजा क़ाज़ी मुताहीरुज़ ज़हीर गद्दी नशीन कल्ला शेर आशिक़ाने मदार रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत क़ाज़ी सैय्यद हमीदुद्दीन आशिकाने मदार रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत पीर राजे क़त्ताल क़ुत्बे कमाल रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत सैय्यद इमाम पीर अब्दुल ग़फ़ूर उर्फ़ बाबा कपूर ग्वालियरी रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत पीर अ़ब्दुल्लाह पानीपती रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत सैय्यद सब्ज़ अ़ली शाह रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत मिस्कीन अ़ली शाह मदारी सोख़्ता शाही रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत हुब्बे अ़ली शाह सोख़्ता शाही रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत सैय्यद जमाल मुहम्मद शाह सत्तार बुलबुल गद्दी नशीन रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत पीर दुधाधारी सत्तार गद्दी नशीन चैनपुर बाड़ी रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत जानू शाह आ़रीफ़ुल्लाह यानी आ़रिफ़े बिल्लाह रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत पीर मुठ्ठन अ़ली शाह कामिले अकमल औलिया रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत ताज अ़ली शाह ताजुल औलिया सुल्तान आ़शिक़ान रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत हैदर अ़ली शाह शम्सुल आ़रेफ़ीन रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत पीर अ़ली शाह रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत पीर रहमान अ़ली शाह उर्फ़ गुलाब अ़ली शाह ख़लीफ़ा आ़शिक़ाने मदार रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत दीवान रौशन शाह सदर ख़लीफ़ा आ़शिक़ाने मदार रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत दीवान सूफ़ी सैय्यद ख़ादिम अ़ली शाह उर्फ़ इसरार अ़ली शाह सदर ख़लीफ़ा रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत ख़ादिमुल फ़ुक़रा सूफ़ी मुहम्मद अ़ली शाह आ़शिक़ाने मदार रह. अ़लैह

इलाही बहुरमत हज़रत अहमद अ़ली शाह आ़शिक़ाने मदार अ़फ़ी अन्ह

ताज़ा रहे हमेशा ये लश्कर मदार का

जलवा है ख़ाकसारों में उस किरदिगार का

क़ादिर की बंदगी में कमरबस्ता रहे मुदाम

सत्तार नामे पाक है परवरदिगार का